INTERNATIONAL RESEARCH JOURNAL OF MANAGEMENT SOCIOLOGY & HUMANITIES

ISSN 2277 – 9809 (online)
ISSN 2348 - 9359 (Print)

An Internationally Indexed Peer Reviewed & Refereed Journal

www.IRJMSH.com
www.isarasolutions.com

Published by iSaRa Solutions

उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के शैक्षिक वातावरण का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन

शोधार्थी
लता जंद्येल

शोध निर्देशक
डॉ. शैलजा पवार
प्राध्यापक (शिक्षा विभाग)
स्वामी श्री स्वरूपानंद सरस्वती
महाविद्यालय, हुड़को, भिलाई (छ.ग.)

सारांश

प्रस्तुत शोध अध्ययन ''उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के शैक्षिक वातावरण का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन" का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के शैक्षिक वातावरण का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन करना है। प्रस्तुत शोध में दुर्ग जिले के 10 उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों (5 शासकीय एवं 5 निजी) के कुल 100 विद्यार्थियों जिसमें 50 छात्र एवं 50 छात्राओं का चयन गैरअनुपातिक यादृच्छिक न्यादर्श विधि द्वारा किया गया है। लघुशोध अध्ययन में विद्यार्थियों के शैक्षिक वातावरण के मापन हेतु एम.एल.शाह और अमिता शाह द्वारा निर्मित शैक्षिक वातावरण प्रश्नावली (ACDQ-SS) का प्रयोग किया गया है तथा शैक्षिक उपलब्धि के मापन हेतु कक्षा 10वीं के वार्षिक परीक्षा के परिणामों का प्रयोग किया गया है। आँकड़ों के विश्लेषण हेतु मध्यमान, प्रमाणिक विचलन एवं टी–मूल्य सांख्यिकीय का उपयोग किया गया। अध्ययन के निष्कर्षों से ज्ञात हुआ कि उच्च एवं निम्न शैक्षिक वातावरण वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में समग्र स्तर पर सार्थक अंतर पाया गया तथा उच्च शैक्षिक वातावरण वाले विद्यार्थियों की उपलब्धि अधिक रही। निजी विद्यालयों एवं छात्राओं के समूह में भी शैक्षिक वातावरण का प्रभाव सार्थक पाया गया, जबकि शासकीय विद्यालयों तथा छात्रों के समूह में यह अंतर सार्थक नहीं पाया गया। अध्ययन से यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि शैक्षिक वातावरण विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करने वाला महत्वपूर्ण कारक है, किन्तु इसका प्रभाव अन्य व्यक्तिगत, पारिवारिक एवं सामाजिक कारकों के साथ मिलकर कार्य करता है। अतः विद्यालयों में सकारात्मक, सहयोगात्मक एवं संसाधनयुक्त शैक्षिक वातावरण का निर्माण विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में वृद्धि हेतु आवश्यक है।

मुख्य शब्द : शैक्षिक वातावरण, शैक्षिक उपलब्धि, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थी

प्रस्तावना

शिक्षा मानव जीवन का सबसे महत्वपूर्ण एवं व्यापक प्रक्रिया है, जो व्यक्ति के व्यक्तित्व निर्माण से लेकर सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक विकास तक को प्रभावित करती है। यह एक सतत एवं जीवनपर्यंत चलने वाली प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से व्यक्ति अपने विचारों, दृष्टिकोणों, मूल्यों एवं व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन लाता है। **महात्मा गांधी (1902)** के अनुसार शिक्षा से तात्पर्य बालक और मानव के शरीर, मन तथा आत्मा के सर्वांगीण एवं सर्वोत्कृष्ट विकास से है। **जान ड्यूवि (1899)** शिक्षा को परिभाषित करते हुए कहते हैं कि शिक्षा व्यक्ति की उन सभी भीतरी शक्तियों का विकास है, जिससे वह अपने वातावरण पर नियंत्रण रखकर अपने

उत्तरदायित्व का निर्वाह कर सकें। **स्वामी विवेकानंद जी (1893)** के अनुसार मनुष्य की अंतर्निहित पूर्णता को अभिव्यक्त करना ही शिक्षा है।

आधुनिक शिक्षा का उद्देश्य केवल सैद्धांतिक ज्ञान प्रदान करना नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों में कौशल, सृजनात्मकता, समस्या समाधान क्षमता एवं जीवन कौशलों का विकास करना भी है। शिक्षा को मानव विकास का आधार माना जाता है तथा शैक्षिक उपलब्धि उसकी सफलता का महत्वपूर्ण संकेतक है। शैक्षिक उपलब्धि विद्यार्थियों के ज्ञान, कौशल, समझ एवं शैक्षणिक प्रदर्शन को दर्शाती है, जो उनके भविष्य, उच्च शिक्षा एवं सामाजिक विकास को प्रभावित करती है। इसलिए शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करने वाले कारकों का अध्ययन आवश्यक माना जाता है।

विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक एवं शैक्षणिक कारकों का प्रभाव पड़ता है, जिनमें विद्यालय का शैक्षिक वातावरण अत्यंत महत्वपूर्ण है। शैक्षिक वातावरण में विद्यालय की भौतिक, सामाजिक एवं मनोवैज्ञानिक परिस्थितियाँ सम्मिलित होती हैं, जैसे शिक्षकों का व्यवहार, शिक्षण विधियाँ, अनुशासन, सहपाठियों का सहयोग एवं उपलब्ध संसाधन। सकारात्मक एवं सहयोगात्मक शैक्षिक वातावरण विद्यार्थियों में सीखने की रुचि, आत्मविश्वास एवं सक्रिय सहभागिता को बढ़ाता है, जिससे उनकी शैक्षिक उपलब्धि में वृद्धि होती है।

उच्चतर माध्यमिक स्तर विद्यार्थियों के शैक्षणिक जीवन का महत्वपूर्ण चरण होता है, जहाँ वे अपने भविष्य एवं करियर की दिशा निर्धारित करते हैं। इस स्तर पर विद्यालय का शैक्षिक वातावरण विद्यार्थियों के प्रदर्शन को विशेष रूप से प्रभावित करता है। साथ ही शासकीय एवं निजी विद्यालयों के संसाधनों, शिक्षण व्यवस्था तथा छात्र–छात्राओं के अनुभवों में भिन्नताएँ भी देखी जाती हैं। अतः प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर शैक्षिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन करना तथा विभिन्न विद्यालयों एवं विद्यार्थियों के मध्य इसके अंतर को ज्ञात करना है।

शैक्षिक वातावरण

शैक्षिक वातावरण से तात्पर्य उस समग्र परिवेश से है जिसमें विद्यार्थी अध्ययन एवं अधिगम की प्रक्रिया को संपन्न करते हैं। इसमें विद्यालय के भौतिक, सामाजिक, मनोवैज्ञानिक तथा शैक्षणिक पक्ष सम्मिलित होते हैं। शैक्षिक वातावरण वह समग्र परिस्थिति है जो विद्यार्थियों के सीखने, समझने, व्यवहार करने तथा व्यक्तित्व विकास को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करती है। जब विद्यालय का वातावरण सकारात्मक, सुरक्षित एवं प्रेरणादायक होता है, तो विद्यार्थी अधिक रुचि के साथ अध्ययन करते हैं और उनकी शैक्षिक उपलब्धि में वृद्धि होती है।

शैक्षिक वातावरण में विभिन्न घटक शामिल होते हैं, जैसे कक्षा–कक्ष की भौतिक व्यवस्था, शिक्षकों का व्यवहार, शिक्षण विधियाँ, अनुशासन, सहपाठियों के बीच संबंध, विद्यालय का प्रशासनिक ढांचा तथा उपलब्ध शैक्षिक संसाधन। इसके अतिरिक्त, विद्यालय का मनोवैज्ञानिक वातावरण भी अत्यंत महत्वपूर्ण होता है, जिसमें विद्यार्थियों की भावनात्मक सुरक्षा, आत्मविश्वास, प्रेरणा एवं तनाव–रहित सीखने का माहौल शामिल होता है। यह सभी घटक मिलकर एक ऐसा वातावरण तैयार करते हैं जो विद्यार्थियों के अधिगम अनुभव को प्रभावी एवं सार्थक बनाता है।

व्यापक अर्थ में शैक्षिक वातावरण को उस संपूर्ण शैक्षणिक पारिस्थितिकी के रूप में देखा जा सकता है, जो विद्यार्थियों के बौद्धिक, सामाजिक एवं नैतिक विकास को दिशा प्रदान करती है। यह वातावरण न केवल ज्ञान प्राप्ति को आसान बनाता है, अपितु विद्यार्थियों में रचनात्मकता, आलोचनात्मक चिंतन एवं समस्या समाधान क्षमता को भी विकसित करता है। इसलिए शैक्षिक वातावरण को शिक्षा की गुणवत्ता का एक प्रमुख

निर्धारक माना जाता है, जो विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

शैक्षिक उपलब्धि

शैक्षिक उपलब्धि दो शब्दों से मिलकर बनी है 'शैक्षिक' और 'उपलब्धि'। 'शैक्षिक' शब्द का अर्थ है ज्ञान, अध्ययन, विद्या या प्रशिक्षण। यह शब्द किसी व्यक्ति द्वारा प्राप्त औपचारिक और अनौपचारिक शिक्षा को संदर्भित करता है। शिक्षा का उद्देश्य न केवल व्यक्ति को साक्षर बनाना होता है, बल्कि उसमें बौद्धिक, नैतिक, सामाजिक और व्यवहारिक विकास करना भी शामिल होता है। वहीं, 'उपलब्धि' का अर्थ होता है किसी लक्ष्य या उद्देश्य को प्राप्त करना। उपलब्धि का सीधा संबंध किसी विशेष प्रयास या परिश्रम के फलस्वरूप प्राप्त सफलता से होता है। यह किसी व्यक्ति की मेहनत, क्षमता और संकल्प का परिणाम होता है, जिससे वह अपने निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करता है।

इस प्रकार, 'शैक्षिक उपलब्धि' का शाब्दिक अर्थ है शिक्षा के क्षेत्र में प्राप्त की गई सफलता या उपलब्धि। यह किसी व्यक्ति द्वारा औपचारिक या अनौपचारिक रूप से अर्जित ज्ञान, कौशल, डिग्रियों, प्रमाणपत्रों, परीक्षाओं में प्राप्त अंकों, शोध कार्यों और अन्य शैक्षणिक प्रयासों का समग्र परिणाम होता है। यह उपलब्धि केवल अंक या ग्रेड तक सीमित नहीं होती, बल्कि किसी व्यक्ति की सोचने–समझने की क्षमता, विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण, नवाचार की योग्यता और समाज में उसके योगदान को भी दर्शाती है।

गुड (1959) के अनुसार – 'शैक्षिक उपलब्धि छात्र द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के अंतर्गत प्राप्त की गई शैक्षिक योग्यता और प्रदर्शन का स्तर है।'

ब्लूम (1976) के अनुसार – ''शैक्षिक उपलब्धि उन लक्ष्यों की पूर्ति है, जिन्हें एक छात्र ने औपचारिक या अनौपचारिक शिक्षा के दौरान अर्जित किया है।''

संबंधित शोध अध्ययन की समीक्षा

राजममल (2026) ने उच्चतर माध्यमिक विद्यार्थियों के शैक्षिक वातावरण का अध्ययन करते हुए पाया कि सकारात्मक विद्यालयी वातावरण विद्यार्थियों की शैक्षिक सफलता, प्रेरणा, उपस्थिति एवं समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है तथा यह शैक्षिक उपलब्धि का एक महत्वपूर्ण निर्धारक है। **रंजन (2022)** ने पाया कि शालेय वातावरण का शैक्षिक उपलब्धि एवं शाला प्रवेश पर सार्थक प्रभाव पड़ता है तथा शासकीय एवं निजी विद्यालयों में वातावरणीय अंतर विद्यमान है। **शर्मा एवं गुप्ता (2022)** के अध्ययन में निष्कर्ष निकला कि अभिभावकों के शैक्षिक स्तर का विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं शैक्षिक रुचियों पर सार्थक प्रभाव पड़ता है तथा उच्च शिक्षित अभिभावकों के विद्यार्थियों का प्रदर्शन बेहतर पाया गया। **कौर एवं अन्य (2022)** ने पाया कि शालेय वातावरण के आयामों और शैक्षिक शिथिलता के बीच सार्थक सकारात्मक संबंध नहीं पाया गया। **रामसुब्बैया एवं अन्य (2022)** के अध्ययन में निष्कर्ष निकला कि शालेय वातावरण, गृह वातावरण एवं अध्ययन कौशल का शैक्षिक शिथिलता पर सार्थक प्रभाव पड़ता है। **सिंह (2020)** ने पाया कि सहपाठी दबाव और शैक्षिक उपलब्धि के बीच नकारात्मक एवं सार्थक सहसंबंध है तथा लिंग के आधार पर कोई सार्थक अंतर नहीं है। **कुलदीप (2019)** के अध्ययन में पाया गया कि ग्रामीण विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि अभिप्रेरणा शहरी विद्यार्थियों की अपेक्षा कम है तथा छात्राओं की उपलब्धि अधिक है। **मेथियालहल एवं कृष्णामूर्थी (2019)** ने पाया कि शालेय वातावरण और शैक्षिक उपलब्धि के बीच उच्च सकारात्मक सहसंबंध है तथा लिंग, क्षेत्र एवं माध्यम के आधार पर कोई सार्थक अंतर नहीं है। **कौर (2019)** के अध्ययन में पाया गया कि पारिवारिक वातावरण, शालेय वातावरण एवं सामाजिक–आर्थिक स्तर का जीवन कौशल पर सार्थक प्रभाव पड़ता है।

उद्देश्य

1. उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत् कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों के शैक्षिक वातावरण का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने प्रभाव का अध्ययन करना।
2. शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत् कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों के शैक्षिक वातावरण का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने प्रभाव का अध्ययन करना।
3. निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत् कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों के शैक्षिक वातावरण का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने प्रभाव का अध्ययन करना।
4. शासकीय एवं निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत् कक्षा 11वीं के छात्रों के शैक्षिक वातावरण का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने प्रभाव का अध्ययन करना।
5. शासकीय एवं निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत् कक्षा 11वीं के छात्राओं के शैक्षिक वातावरण का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने प्रभाव का अध्ययन करना।

परिकल्पनाएँ

H_0 उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत् कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों के शैक्षिक वातावरण का उनकी शैक्षिक उपलब्धि के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा।

H_1 उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत् कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों के शैक्षिक वातावरण का उनकी शैक्षिक उपलब्धि के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा।

H_2 निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत् कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों के शैक्षिक वातावरण का उनकी शैक्षिक उपलब्धि के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा।

H_3 शासकीय एवं निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत् कक्षा 11वीं के छात्रों के शैक्षिक वातावरण का उनकी शैक्षिक उपलब्धि के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा।

H_4 शासकीय एवं निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत् कक्षा 11वीं के छात्राओं के शैक्षिक वातावरण का उनकी शैक्षिक उपलब्धि के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा।

अध्ययन की परिसीमा

- ❖ प्रस्तुत अध्ययन के लिए छ.ग. राज्य के दुर्ग जिले के भिलाई शहर का चयन किया गया है।
- ❖ प्रस्तुत अध्ययन में दुर्ग जिले के भिलाई शहर के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को शासकीय एवं अशासकीय शाला प्रकार के आधार पर विभाजित कर न्यादर्श लिया गया है।
- ❖ प्रस्तुत शोध में विद्यार्थियों के शैक्षिक वातावरण के प्राप्तांकों को मध्यिका के आधार पर उच्च एवं निम्न शैक्षिक वातावरण के रूप में विभाजित किया गया है।
- ❖ प्रस्तुत अध्ययन हेतु उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के 11वीं कक्षा के 100 विद्यार्थियों को ही लिया गया है।
- ❖ प्रस्तुत शोध में न्यादर्श के अंतर्गत लिंग के आधार पर छात्र (50) एवं छात्राएँ (50) तक परिसीमित है।

- प्रस्तुत लघुशोध अध्ययन में विद्यार्थियों के शैक्षिक वातावरण के मापन हेतु एम.एल.शाह और अमिता शाह (2012) द्वारा निर्मित शैक्षिक वातावरण प्रश्नावली (Academic Climate Description Questionnaire (ACDQ-SS)) का प्रयोग किया गया है तथा शैक्षिक उपलब्धि के मापन हेतु कक्षा 10वीं के वार्षिक परीक्षा के परिणामों का प्रयोग किया गया है।

न्यादर्श

प्रस्तुत शोध में दुर्ग जिले के 10 उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों (5 शासकीय एवं 5 निजी) के कुल 100 विद्यार्थियों जिसमें 50 छात्र एवं 50 छात्राओं का चयन गैरअनुपातिक यादृच्छिक न्यादर्श विधि द्वारा किया गया है।

उपकरण

प्रस्तुत लघुशोध अध्ययन में विद्यार्थियों के शैक्षिक वातावरण के मापन हेतु एम.एल.शाह और अमिता शाह द्वारा निर्मित शैक्षिक वातावरण प्रश्नावली (Academic Climate Description Questionnaire (ACDQ-SS)) का प्रयोग किया गया है तथा शैक्षिक उपलब्धि के मापन हेतु कक्षा 10वीं के वार्षिक परीक्षा के परिणामों का प्रयोग किया गया है।

सांख्यिकीय विश्लेषण

प्रस्तुत शोध में प्रदत्तों से प्राप्त आँकड़ों के सांख्यिकीय विश्लेषण हेतु मध्यमान, प्रमाणिक विचलन एवं टी मूल्य सांख्यिकीय का प्रयोग किया गया है ।

विश्लेषण एवं विवेचना

H_0 उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत् कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों के शैक्षिक वातावरण का उनकी शैक्षिक उपलब्धि के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा।

तालिका क्रमांक – 1

उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत् कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों के शैक्षिक वातावरण का उनकी शैक्षिक उपलब्धि के मध्य अंतर का विवरण

क्र.	उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थी (शासकीय एवं निजी)	प्रदत्तों की संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	टी–मूल्य
1	उच्च शैक्षिक वातावरण	57	87.01	7.277	4.538
2	निम्न शैक्षिक वातावरण	43	81.01	5.416	
df = 98		p < 0.05			

तालिका क्रमांक 1 के अवलोकन से यह स्पष्ट होता है कि उच्च शैक्षिक वातावरण वाले विद्यार्थियों का शैक्षिक उपलब्धि का मध्यमान 87.01 तथा प्रमाणिक विचलन 7.277 पाया गया, जबकि निम्न शैक्षिक वातावरण वाले विद्यार्थियों का शैक्षिक उपलब्धि का मध्यमान 81.01 तथा प्रमाणिक विचलन 5.416 पाया गया। दोनों समूहों के मध्यमानों के अंतर की जाँच हेतु प्राप्त टी–मूल्य 4.538 है, जो 0. 05 स्तर पर 98 स्वतंत्रता अंशों के लिए सारणीबद्ध मान 1.984 से अधिक है। इससे यह स्पष्ट होता है कि उच्च एवं निम्न शैक्षिक वातावरण वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर पाया

गया है। अतः शून्य परिकल्पना "उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों के शैक्षिक वातावरण का उनकी शैक्षिक उपलब्धि के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा" अस्वीकृत होती है। परिणामस्वरूप यह कहा जा सकता है कि उच्च शैक्षिक वातावरण वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि निम्न शैक्षिक वातावरण वाले विद्यार्थियों की तुलना में अधिक पाई गई है।

H_1 शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत् कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों के शैक्षिक वातावरण का उनकी शैक्षिक उपलब्धि के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा।

तालिका क्रमांक – 2

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत् कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों के शैक्षिक वातावरण का उनकी शैक्षिक उपलब्धि के मध्य अंतर का विवरण

क्र.	शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थी	प्रदत्तों की संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	टी–मूल्य
1	उच्च शैक्षिक वातावरण	28	83.01	8.375	0.745
2	निम्न शैक्षिक वातावरण	22	81.37	6.783	
df = 48		p > 0.05			

तालिका क्रमांक 2 के अवलोकन से यह स्पष्ट होता है कि उच्च शैक्षिक वातावरण वाले विद्यार्थियों का शैक्षिक उपलब्धि का मध्यमान 83.01 तथा प्रमाणिक विचलन 8.375 पाया गया, जबकि निम्न शैक्षिक वातावरण वाले विद्यार्थियों का शैक्षिक उपलब्धि का मध्यमान 81.37 तथा प्रमाणिक विचलन 6.783 पाया गया। दोनों समूहों के मध्यमानों के अंतर की जाँच हेतु प्राप्त टी–मूल्य 0.745 है, जो 0. 05 स्तर पर 48 स्वतंत्रता अंशों के लिए सारणीबद्ध मान 2.00 से कम है। इससे यह स्पष्ट होता है कि दोनों समूहों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया है। अतः शून्य परिकल्पना ''शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत् कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों के शैक्षिक वातावरण का उनकी शैक्षिक उपलब्धि के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा" स्वीकृत होती है। परिणामस्वरूप यह कहा जा सकता है कि शासकीय विद्यालयों में उच्च एवं निम्न शैक्षिक वातावरण वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि लगभग समान पाई गई है।

H_2 निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत् कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों के शैक्षिक वातावरण का उनकी शैक्षिक उपलब्धि के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा।

तालिका क्रमांक – 3

निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत् कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों के शैक्षिक वातावरण का उनकी शैक्षिक उपलब्धि के मध्य अंतर का विवरण

क्र.	निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थी	प्रदत्तों की संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	टी–मूल्य
1	उच्च शैक्षिक वातावरण	26	87.34	4.180	2.359
2	निम्न शैक्षिक वातावरण	24	82.46	9.614	
df = 48		p < 0.05			

तालिका क्रमांक 3 के अवलोकन से यह स्पष्ट होता है कि उच्च शैक्षिक वातावरण वाले विद्यार्थियों का शैक्षिक उपलब्धि का मध्यमान 87.34 तथा प्रमाणिक विचलन 4.180 पाया गया, जबकि निम्न शैक्षिक वातावरण वाले विद्यार्थियों का शैक्षिक उपलब्धि का मध्यमान 82.46 तथा प्रमाणिक विचलन 9.614 पाया गया। दोनों समूहों के मध्यमानों के अंतर की जाँच हेतु प्राप्त टी–मूल्य 2.359 है, जो 0. 05 स्तर पर 48 स्वतंत्रता अंशों के लिए सारणीबद्ध मान 2.00 से अधिक है। इससे यह स्पष्ट होता है कि दोनों समूहों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर पाया गया है। अतः शून्य परिकल्पना ''निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत् कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों के शैक्षिक वातावरण का उनकी शैक्षिक उपलब्धि के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा'' अस्वीकृत होती है। परिणामस्वरूप यह कहा जा सकता है कि निजी विद्यालयों में उच्च शैक्षिक वातावरण वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि निम्न शैक्षिक वातावरण वाले विद्यार्थियों की तुलना में अधिक पाई गई है।

H_3 शासकीय एवं निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत् कक्षा 11वीं के छात्रों के शैक्षिक वातावरण का उनकी शैक्षिक उपलब्धि के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा।

तालिका क्रमांक – 4

शासकीय एवं निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत् कक्षा 11वीं के छात्रों के शैक्षिक वातावरण का उनकी शैक्षिक उपलब्धि के मध्य अंतर का विवरण

क्र.	शासकीय एवं निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्र	प्रदत्तों की संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	टी–मूल्य
1	उच्च शैक्षिक वातावरण (छात्र)	26	88.12	6.621	0.607
2	निम्न शैक्षिक वातावरण (छात्र)	24	86.97	6.764	
df = 48		p > 0.05			

तालिका क्रमांक 4 के अवलोकन से यह स्पष्ट होता है कि उच्च शैक्षिक वातावरण वाले छात्रों के शैक्षिक उपलब्धि का मध्यमान 88.12 तथा प्रमाणिक विचलन 6.621 पाया गया, जबकि निम्न शैक्षिक वातावरण वाले छात्रों के शैक्षिक उपलब्धि का मध्यमान 86.97 तथा प्रमाणिक विचलन 6.764 पाया गया। दोनों समूहों के मध्यमानों के अंतर की जाँच हेतु प्राप्त टी–मूल्य 0.607 है, जो 0.05 स्तर पर 48 स्वतंत्रता अंशों के लिए सारणीबद्ध मान 2.00 से कम है। इससे यह स्पष्ट होता है कि दोनों समूहों के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया है। अतः शून्य परिकल्पना ''शासकीय एवं निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत् कक्षा 11वीं के छात्रों के शैक्षिक वातावरण का उनकी शैक्षिक उपलब्धि के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा'' स्वीकृत होती है। परिणामस्वरूप यह कहा जा सकता है कि शासकीय एवं निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में शैक्षिक वातावरण के आधार पर कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं पाया गया।

H_4 शासकीय एवं निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत् कक्षा 11वीं के छात्राओं के शैक्षिक वातावरण का उनकी शैक्षिक उपलब्धि के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा।

तालिका क्रमांक – 5

शासकीय एवं निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत् कक्षा 11वीं के छात्राओं के शैक्षिक वातावरण का उनकी शैक्षिक उपलब्धि के मध्य अंतर का विवरण

क्र.	शासकीय एवं निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्राएँ	प्रदत्तों की संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	टी–मूल्य
1	उच्च शैक्षिक वातावरण (छात्राएँ)	31	87.45	7.348	3.012
2	निम्न शैक्षिक वातावरण (छात्राएँ)	19	81.78	4.983	
df = 48		$p < 0.05$			

तालिका क्रमांक 5 के अवलोकन से यह स्पष्ट होता है कि उच्च शैक्षिक वातावरण वाली छात्राओं का शैक्षिक उपलब्धि का मध्यमान 87.45 तथा प्रमाणिक विचलन 7.348 पाया गया, जबकि निम्न शैक्षिक वातावरण वाली छात्राओं का शैक्षिक उपलब्धि का मध्यमान 81.78 तथा प्रमाणिक विचलन 4.983 पाया गया। दोनों समूहों के मध्यमानों के अंतर की जाँच हेतु प्राप्त टी–मूल्य 3.012 है, जो 0. 05 स्तर पर 48 स्वतंत्रता अंशों के लिए सारणीबद्ध मान 2.00 से अधिक है। इससे यह स्पष्ट होता है कि दोनों समूहों की छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अंतर पाया गया है। अतः शून्य परिकल्पना ''शासकीय एवं निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत् कक्षा 11वीं के छात्राओं के शैक्षिक वातावरण का उनकी शैक्षिक उपलब्धि के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा'' अस्वीकृत होती है। परिणामस्वरूप यह कहा जा सकता है कि उच्च शैक्षिक वातावरण वाली छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि निम्न शैक्षिक वातावरण वाली छात्राओं की तुलना में अधिक पाई गई है।

निष्कर्ष

अध्ययन के निष्कर्षों से ज्ञात हुआ कि उच्च एवं निम्न शैक्षिक वातावरण वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में समग्र स्तर पर सार्थक अंतर पाया गया तथा उच्च शैक्षिक वातावरण वाले विद्यार्थियों की उपलब्धि अधिक रही। निजी विद्यालयों एवं छात्राओं के समूह में भी शैक्षिक वातावरण का प्रभाव सार्थक पाया गया, जबकि शासकीय विद्यालयों तथा छात्रों के समूह में यह अंतर सार्थक नहीं पाया गया। अध्ययन से यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि शैक्षिक वातावरण विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करने वाला महत्वपूर्ण कारक है, किन्तु इसका प्रभाव अन्य व्यक्तिगत, पारिवारिक एवं सामाजिक कारकों के साथ मिलकर कार्य करता है। अतः विद्यालयों में सकारात्मक, सहयोगात्मक एवं संसाधनयुक्त शैक्षिक वातावरण का निर्माण विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में वृद्धि हेतु आवश्यक है।

समग्र रूप से यह देखा गया कि जहाँ शैक्षिक वातावरण उच्च, व्यवस्थित एवं संसाधनयुक्त था, वहाँ विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि अपेक्षाकृत अधिक पाई गई। इसके विपरीत, जिन परिस्थितियों में शैक्षिक वातावरण निम्न या सीमित पाया गया, वहाँ शैक्षिक उपलब्धि तुलनात्मक रूप से कम पाई गई,

हालांकि कुछ मामलों में अंतर सार्थक नहीं भी पाया गया। इससे यह संकेत मिलता है कि केवल शैक्षिक वातावरण ही शैक्षिक उपलब्धि का एकमात्र निर्धारक नहीं है, बल्कि यह अनेक अन्य कारकों के साथ मिलकर प्रभाव डालता है।

इसके संभावित कारणों पर विचार करने पर यह पाया जाता है कि विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करने वाले अनेक कारक होते हैं, जैसे विद्यालयी भौतिक एवं शैक्षणिक संसाधन, शिक्षकों की योग्यता एवं शिक्षण शैली, शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया की गुणवत्ता, विद्यार्थियों की व्यक्तिगत अध्ययन आदतें, आत्म–अनुशासन, प्रेरणा स्तर तथा परिवार का शैक्षिक एवं सामाजिक–आर्थिक वातावरण। इसके अतिरिक्त शासकीय एवं निजी विद्यालयों की संरचनात्मक भिन्नताएँ, शिक्षण वातावरण में अनुशासन का स्तर, तथा विद्यार्थियों को मिलने वाले अवसर भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

यह भी देखा गया कि कुछ विद्यार्थी प्रतिकूल या निम्न शैक्षिक वातावरण में भी उच्च शैक्षिक उपलब्धि प्राप्त करने में सक्षम होते हैं, जिसका कारण उनकी आंतरिक प्रेरणा, आत्म–अध्ययन क्षमता एवं लक्ष्य–उन्मुख दृष्टिकोण हो सकता है। दूसरी ओर, कुछ विद्यार्थी बेहतर शैक्षिक वातावरण होने के बावजूद अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाते, जिसका कारण व्यक्तिगत रुचि की कमी, अध्ययन में अनियमितता या पारिवारिक/मनोवैज्ञानिक समस्याएँ हो सकती हैं।

अतः समग्र निष्कर्ष के रूप में यह कहा जा सकता है कि शैक्षिक वातावरण विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करने वाला एक महत्वपूर्ण एवं प्रभावशाली कारक है, परंतु इसका प्रभाव अन्य सामाजिक, मनोवैज्ञानिक एवं व्यक्तिगत कारकों के साथ मिलकर कार्य करता है। इसलिए शैक्षिक उपलब्धि को केवल शैक्षिक वातावरण के आधार पर पूरी तरह व्याख्या नहीं किया जा सकता, अपितु इसे एक बहु–कारकीय प्रक्रिया के रूप में समझना अधिक उपयुक्त होगा।

सुझाव

- विद्यालयों में ऐसा शैक्षिक वातावरण विकसित किया जाना चाहिए जो विद्यार्थियों के लिए अनुकूल, सहयोगात्मक एवं प्रेरणादायक हो, जिससे उनकी शैक्षिक उपलब्धि में वृद्धि हो सके।
- शिक्षकों को चाहिए कि वे विद्यार्थियों के साथ सकारात्मक एवं सहयोगपूर्ण संबंध स्थापित करें तथा शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया को अधिक प्रभावी, रोचक एवं सहभागितापूर्ण बनाएं।
- विद्यालयों में कक्षा–कक्ष का वातावरण अनुशासित, स्वच्छ एवं सीखने के अनुकूल होना चाहिए, जिससे विद्यार्थियों में अध्ययन के प्रति रुचि विकसित हो।
- शासकीय विद्यालयों में शैक्षिक वातावरण की गुणवत्ता में सुधार हेतु आवश्यक भौतिक संसाधनों, पुस्तकालय एवं प्रयोगशालाओं की पर्याप्त व्यवस्था की जानी चाहिए।
- निजी विद्यालयों में पाए गए शैक्षिक वातावरण के प्रभाव को ध्यान में रखते हुए वहाँ समानता एवं संतुलन बनाए रखने के लिए सभी विद्यार्थियों को समान शैक्षणिक अवसर प्रदान किए जाने चाहिए।
- छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि पर शैक्षिक वातावरण के अधिक प्रभाव को देखते हुए उनके लिए सुरक्षित, सहयोगात्मक एवं आत्मविश्वास बढ़ाने वाला वातावरण उपलब्ध कराया जाना चाहिए।
- विद्यालयों में सह–पाठ्य एवं पाठ्येतर गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए, जिससे विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके।

- विद्यालय प्रशासन को समय–समय पर शैक्षिक वातावरण का मूल्यांकन कर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने चाहिए।
- अभिभावकों एवं विद्यालय के बीच समन्वय स्थापित कर विद्यार्थियों को सकारात्मक शैक्षिक वातावरण प्रदान करने का प्रयास किया जाना चाहिए।
- भविष्य में किए जाने वाले शोधों में शैक्षिक वातावरण के अन्य आयामों तथा विभिन्न शैक्षिक स्तरों को भी सम्मिलित किया जाना चाहिए।

संदर्भित ग्रंथ सूची

कौर, एम. (2019). वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों में जीवन कौशल का उनके पारिवारिक वातावरण, विद्यालय वातावरण एवं सामाजिक–आर्थिक स्थिति के संदर्भ में अध्ययन, *शोधगंगा.* http://hdl-handle-net/10603/300991.

कुलदीप. पी. (2019). माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि अभिप्रेरणा का तुलनात्मक अध्ययन, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड रिसर्च,* 5(11), 284–287,

मैथियालहन, वी. एवं कृष्णमूर्ति, जी. (2019). स्कूल वातावरण एवं माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि, *थिंक इंडिया जर्नल,* 22(10), 677–690.

रामासुब्बैया, बी. एवं रेड्डी, बी.एस.के. (2022). उच्च विद्यालय के विद्यार्थियों में शैक्षणिक विलंब प्रवृत्ति रू विद्यालय वातावरण, पारिवारिक वातावरण एवं अध्ययन कौशल की भूमिका, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च,* 11(06), 51–53.

राजम्मल, टी.एस. (2026). उच्चतर माध्यमिक विद्यार्थियों के विद्यालयीय वातावरण का अध्ययन, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस एंड रिसर्च (IJSR),* 15(1), 1272–1277.

शर्मा सुधांशु एवं गुप्ता सविता (2022). उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि एवं रुचियों पर अभिभावकों के शैक्षिक स्तर के प्रभाव का अध्ययन, *जर्नल ऑफ इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज एंड इनोवेटिव रिसर्च,* 9(9), 875–883.

ISARA INSTITUTE OF MANAGEMENT & PROFESSIONAL STUDIES

WWW.IIMPS.IN

EARN YOUR

MBA

Accreditation & Ranking

UGC / NCTE Approved.

INFO@IIMPS.IN

011-41005174

RESEARCH GATEWAY

STOP PLAGIARISM

1 Submit your content in Word File.

2 Get report in 48 hrs.

3 *Missing content or references will be fixed.

4 Citation for your work.

5 Get accurate user friendly report.

researchgateway.in | info@researchgateway.in

+91-9205579779

AROGYAM ONLINE

Arogyam Ayurveda

Holistic Healing through herbs

100% NATURAL

PARIVARTAN PSYCHOLOGY CENTER

COLOR PSYCHOLOGY : HOW COLOR AFFECT YOUR CHILD

BLUE — Calms your Child's Mind & Body

YELLOW — Promotes Concentration, Stimulates the Memory

PINK — Evokes Empathy, makes your Child Calm

RED — Excites and energizes your Child's body

GREEN — Improves Reading speed and Comprehension

www.parivartan4u.com

Confuse about your children's future?

भारतीय भाषा, शिक्षा, साहित्य एवं शोध

ISSN 2321 – 9726

WWW.BHARTIYASHODH.COM

INTERNATIONAL RESEARCH JOURNAL OF MANAGEMENT SCIENCE & TECHNOLOGY

ISSN – 2250 – 1959 (0) 2348 – 9367 (P)

WWW.IRJMST.COM

INTERNATIONAL RESEARCH JOURNAL OF COMMERCE, ARTS AND SCIENCE

ISSN 2319 – 9202

WWW.CASIRJ.COM

INTERNATIONAL RESEARCH JOURNAL OF MANAGEMENT SOCIOLOGY & HUMANITIES

ISSN 2277 – 9809 (0) 2348 - 9359 (P)

WWW.IRJMSH.COM

INTERNATIONAL RESEARCH JOURNAL OF SCIENCE ENGINEERING AND TECHNOLOGY

ISSN 2454-3195 (online)

WWW.RJSET.COM

INTEGRATED RESEARCH JOURNAL OF MANAGEMENT, SCIENCE AND INNOVATION

ISSN 2582-5445

WWW.IRJMSI.COM

JOURNAL OF LEGAL STUDIES,POLITICS AND ECONOMICS RESEARCH

WWW.JLPER.COM